YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

DAINIK BHASKAR

बौद्धिक संपदा और पेटेंट को लेकर जागरूकता जरूरी : प्रो. दिनेश

विश्वविद्यालय के आईपीआर प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया

भास्कर न्यूज़ | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी भूमिका की पहचान देने की आवश्यकता है। इस संबंध में बड़े स्तर पर जागरूकता लाना भी आवश्यक है। जिससे इस संबंध में सभी को जानकारी हो। वे परिसर में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्व को लेकर आयोजित संगोष्ठी 'बौद्धिक संपदा और पेटेंट' पर बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

उन्होंने कहा इस तरह के आयोजन से इस विषय को समझने और फिर दूसरों को जागरूक करने में सहूलियत मिलती है। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के आईपीआर प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता उद्यमी डॉ. अमित गोयल थे। प्रो. कुमार ने कहा कि बौद्धिक संपदा को लेकर जागरूकता एवं सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत विश्वविद्यालय द्वारा संकायाध्यक्ष, मानविकी एवं विज्ञान, डॉ. राज कुमार की अध्यक्षता में एक आईपीआर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन डा. पारूल तोमर ने किया। डॉ. अमित गोयल ने देश में बौद्धिक संपदा की स्थिति पर प्रकाश डाला। उन्होंने विवि व छात्रों के संदर्भ में बौद्धिक संपदा तथा पेटेंट के महत्व पर विशेष रूप से व्याख्यान दिया। संकायाध्यक्ष, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग डॉ. सीके नागपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आईपीआर प्रकोष्ठ का गठन संकाय सदस्यों एवं छात्रों को बौद्धिक संपदा के महत्व को लेकर जागरूकता बनाने के उद्देश्य से किया गया है। इससे शोधकर्ताओं को उनकी बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन एवं इसके वाणिज्यिक पहलुओं के दृष्टिगत लाभ होगा। उन्होंने कहा कार्यशाला का उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके द्वारा किए जाने वाले अनुसंधान एवं अन्य कार्यों में पायरेसी की समस्या को रोकने के प्रति जागरूक बनाना है। कार्यशाला के समापन पर प्रो. राज कुमार ने सभी वक्ताओं का धन्यवाद किया।

वाईएमसीए विवि में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी शुरू

फरीदाबाद. पुस्तक मेला का अवलोकन करते छात्र एवं टीचर।

फरीदाबाद | वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी गुरुवार से शुरू हुई। इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस दौरान कुलपति ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी को यूनिवर्सिटी के सालाना आयोजन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। स्टूडेंट्स पसंद की पुस्तकें एक ही जगह से खरीद सकते हैं। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के छात्रावासों में पुस्तक अनुभाग स्थापित किया जाया। जिससे विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं की तैयारी में आसानी हो सके। पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रमों की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं। पीएन वाजपेयी ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकाशकों की अलग-अलग विषयों पर प्रकाशित पुस्तकों का एक जगह पर प्रदर्शन करना है ताकि फैकल्टी सदस्य रुचि अनुसार पुस्तकों की जानकारी ले सकें। उन्होंने कहा आमतौर पर पुस्तकालय विभिन्न विभागों की मांग के अनुसार विभिन्न प्रकाशकों से पुस्तकें खरीदता रहा है लेकिन प्रदर्शनी के माध्यम से सभी विभागाध्यक्षों व फैकल्टी सदस्यों को अवसर दिया गया है कि वे अपनी पसंद की पुस्तकों को देख प्रकाशक से बातचीत कर पुस्तक की मांग पुस्तकालय को दें सकें।22 प्रमुख प्रकाशक नामतः मैकग्रा हिल, पीयरसन, विले इंडिया, स्प्रिंगर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और एस चंद की लगभग 5 हजार से अधिक शीर्षक की पुस्तकों को रखा गया है।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

AMAR UJALA

10 am — 10:30 am

पुस्तक मेला : वाईएमसीए विश्वविद्यालय

वाईएमसीए विश्वविद्यालय सेक्टर में विश्वविद्यालय की ओर से पुस्तक मेले का आयोजन।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को पुस्तक मेले का अवलोकन करते वाइस चांसलर।

प्रदर्शनी से अध्ययन के प्रति बढ़ती है रुचिः कुलपति

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद।

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी शुरू हो गई। इसकी शुरुआत कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। प्रदर्शनी में जानेमाने प्रकाशकों की पुस्तकों का प्रदर्शन किया।

कुलपति ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है और वे अपनी पसंद की पुस्तकों को एक ही जगह से खरीद सकते हैं। पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रमों की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। लाइब्रेरियन पीएन वाजपेयी ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकाशकों की अलग-अलग विषयों पर प्रकाशित नवीनतम पुस्तकों का एक ही जगह पर प्रदर्शन करना है ताकि फैकल्टी सदस्य अपनी रुचि के अनुसार नवीनतम पुस्तकों की जानकारी ले सकें। प्रदर्शनी में 22 प्रमुख प्रकाशकों की पांच हजार से ज्यादा पुस्तकों को रखा गया है।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

DAINIK JAGRAN

वाइएमसीए में पुस्तक प्रदर्शनी का आगाज

पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो . दिनेश कुमार

जासं, फरीदाबाद: वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आगाज हो गया। प्रदर्शनी में जाने-माने प्रकाशकों के प्रकाशनों को रखा गया है। कुलपति दिनेश कुमार अग्रवाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन के प्रयासों के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियों को विश्वविद्यालय के सालाना आयोजन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है। कुलपति ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय के छात्रावास में भी पुस्तक अनुभाग स्थापित किए जाएं ताकि विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं की तैयारी में आसानी हो। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रमों की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएं।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

PUNJAB KESARI

दो दिवसीय प्रदर्शनी में छात्र तलाश रहे अपनी मनपसंद पुस्तकें

जाने-माने प्रकाशकों के प्रकाशनों की किताबों से सजे स्टॉल

फरीदाबाद, 19 जनवरी (पंकेस): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी आज प्रारंभ हो गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। इस प्रदर्शनी में जाने-माने प्रकाशकों के प्रकाशनों को प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर कुलपति ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन के प्रयासों के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय की सराहना की।

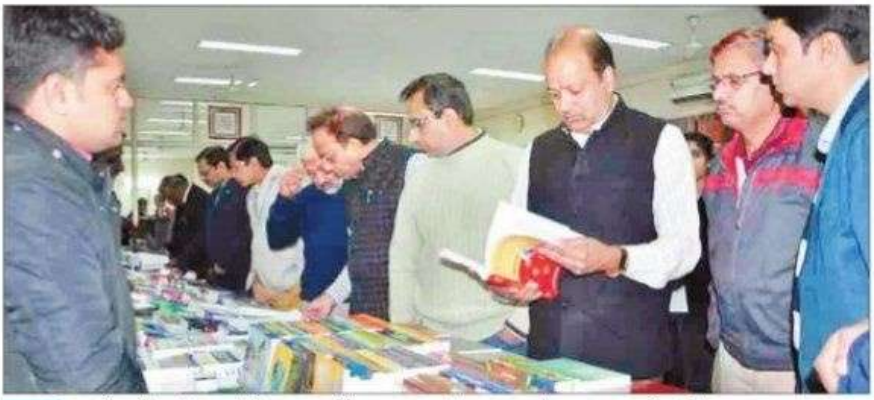

वाईएमसीए में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति दिनेश कुमार व अन्य।

पुस्तक प्रदर्शनी को विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन बताते हुए कुलपति ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियों को विश्वविद्यालय के सालाना आयोजन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए और ऐसे आयोजनों को निरंतर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ती है और वे अपनी पसंद की पुस्तकों को एक ही जगह से खरीद सकते है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि विश्वविद्यालय के छात्रावासों में भी पुस्तक अनुभाग स्थापित किए जाए ताकि विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं की तैयारी में आसानी हो। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रमों की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाये। विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन पी एन वाजपेयी ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकाशकों की अलग-अलग विषयों पर प्रकाशित नवीनतम पुस्तकों का एक ही जगह पर प्रदर्शन करना है ताकि फैकल्टी सदस्य अपनी रूचि के अनुसार नवीनतम पुस्तकों की जानकारी ले सके और पुस्तकालय को अपनी मांग दे सके।

उन्होंने बताया कि आमतौर पर पुस्तकालय विभिन्न विभागों की मांग के अनुसार विभिन्न प्रकाशकों से पुस्तकें खरीदता रहा है लेकिन प्रदर्शनी के माध्यम से सभी विभागाध्यक्षों व फैकल्टी सदस्यों को अवसर दिया गया है कि वे अपनी पसंद की पुस्तकों को देख सके और प्रकाशक से बातचीत कर पुस्तक की मांग पुस्तकालय को दें सकें। इससे विद्यार्थियों को भी लाभ होगा। प्रदर्शनी में 22 प्रमुख प्रकाशक नामत: मैकग्रा हिल, पीयरसन, विले इंडिया, स्प्रिंगर, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस और एस चंद की लगभग 5 हजार से अधिक शीर्षक की पुस्तकों को रखा गया है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Fri, 20 January 2017
epaper.punjabkesari.in//c/16232714

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

HINDUSTAN

बौद्धिक संपदा और पेटेंट के बारे में जानकारी दी

फरीदाबाद | **कार्यालय संवाददाता**

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को बौद्धिक संपदा और पेटेंट विषय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

विश्वविद्यालय के आईपीआर प्रकोष्ठ एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्व को लेकर जागरूक करना था। संस्थान के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशेष वक्ता के तौर पर इफेक्चुवल सर्विसेज दिल्ली और नोएडा के निदेशक डॉ अमित गोयल पहुंचे। सबसे पहले कुलपति ने विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों की बढ़ती प्रासंगिकता को देखते हुए इसकी भूमिका को पहचान देने की जरूरत है।

कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के संकाय अध्यक्ष डॉ. सीके नागपाल ने बताया कि विश्वविद्यालय में आईपीआर प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। कार्यशाला में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व के अलावा इसकी सुरक्षा, पेंटेट प्रक्रिया, पेटेंट की खोज, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट संरक्षण, नवीन खोजों में शिक्षा-उद्यम सहयोग की भूमिका आदि पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पारुल तोमर ने किया।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

HINDUSTAN

वाईएमसीए में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। संस्थान के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पुस्तक प्रदर्शनी छात्रों के लिए जरूरी है।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

HARI BHOOMI

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित

फरीदाबाद। वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार से दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का आगाज हो गया। प्रदर्शनी में जाने माने प्रकाशकों के प्रकाशनों को रखा गया है। कुलपति दिनेश कुमार अग्रवाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और पुस्तक प्रदर्शनी के आयोजन के प्रयासों के लिए विश्वविद्यालय पुस्तकालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियों को विश्वविद्यालय के सालाना आयोजन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है।

NEWS CLIPPING: 20.01.2017

NAVBHARAT TIMES

कार्यशाला का आयोजन

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा व पेटेंट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अमित गोयल, डॉ. पारुल तोमर, डॉ. सीके नागपाल व डॉ. अमित गोयल मौजूद रहे।

पुस्तक प्रदर्शनी शुरू

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुरुवार को दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी शुरू हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति दिनेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में नए पाठ्यक्रम की जरूरत के मुताबिक पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएं।